



केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

(संसद के अधिनियम /द्वारा स्थापित 2009 वर्ष ,Established under the Act of Parliament in 2009)  
TEJASWINI HILLS, PERIYA P.O., KASARAGOD - 671316, KERALA

HEAD  
DEPARTMENT OF HINDI & COMPARATIVE LITERATURE

CUR/HEAD/HINDI/2594/2021

Board of studies meeting Dept. of Hindi & Comparative Literature held on 21<sup>st</sup> April 2021

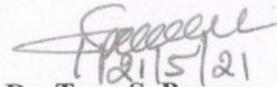
Venue : HoD Chamber/online

Agenda : Restructure of syllabus of M.A Hindi, Ph.D Course work, PG Diploma course in Hindi Translation and Office Procedure, PG Diploma in Hindi Journalism and Media Writing and Hindi Communicative Bridge Course.

Chair : Dr. Taru S.Pawar, Head of the Department

Board of studies Members

Sl No	Name of the Members	Designation	Signature
01	Dr. Taru S. Pawar	Chairperson	Online
02	Prof. Sudha Balakrishnan	Member	Online
03	Dr. Dharmendra Pratap Singh	Member	Online
04	Dr. Shalini M	Member	Online
05	Dr. Jayanti Prasad Nautiyal	Member	Online
06	Prof. R. Jayachandran	Member	Absent
07	Prof. Shanti Nair	Member	Online
08	Dr. Suma T. Rodanwar	Member	Online

  
21/5/21

Dr. Taru S. Pawar

Chairperson

विभागाध्यक्ष / Head of the Dept.  
हिन्दी विभाग / Dept. of Hindi  
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय  
Central University of Kerala  
कासरगोड / Kasaragod



## LTO 4101-अनुवाद - सिद्धान्त और प्रयोग

Course Code	LTO 4101	Semester	I(First)
Name of Course	अनुवाद - सिद्धान्त और प्रयोग (Anuvad – Siddhan tAur Prayog)		
Speciality	कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Skill Development and Employability Course)		
Credit / क्रेडिट-04	Contact Hours: L-03, T-01=04	Type	Core

### प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

अनुवाद के सिद्धान्त के अध्ययन से ही अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष को समझा जा सकता है। अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, प्रक्रिया, उपकरण को समझने के साथ-साथ अनुवादक की चुनौतियों का भी परिचय इस पाठ्यक्रम के माध्यम से होगा। भावनाप्रधान साहित्य और सूचनाप्रधान साहित्य के अंतर को समझते हुए स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की भिन्नता से उत्पन्न समस्याएं जैसे भाषिक – संरचनात्मक एवं शैलीगत, वाक्यबद्ध परक, सांस्कृतिक शब्दों तथा भाषिक अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ- इन मुद्दों पर सैद्धान्तिक दृष्टि से अध्ययन होगा।

### प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- अनुवाद के माध्यम से संस्कृति के विकास का मार्ग छात्रों को दिखा देना।
- अनुवाद के माध्यम से भाषाओं के बीच भाईचारा बढ़ाना।
- सैद्धान्तिक पक्ष को समझने से ही व्यावहारिक अनुवाद में दक्षता प्राप्त होगी।
- भविष्य के अनुवादकों को तैयार करना।

### प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

#### इकाई-एक

1. अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप और प्रकार
2. अनुवाद : कला, विज्ञान अथवा शिल्प
3. अनुवाद की सहायक सामग्री एवं उपकरण
4. अनुवाद की प्रक्रिया और अनुवाद के गुण
5. अनुवाद की उपादेयता

#### इकाई-दो

6. स्रोत और लक्ष्य भाषा की भिन्नताजन्य समस्याएँ :  
क) भाषिक – संरचनात्मक एवं शैलीगत

### इकाई-तीन

#### ख) वाक्यबद्ध परक

- संवादों के अनुवाद की समस्याएँ
- विवरण के अनुवाद की समस्याएँ
- भाषण के अनुवाद की समस्याएँ
- साक्षात्कार के अनुवाद की समस्याएँ
- वार्ता के अनुवाद की समस्याएँ

### इकाई-चार

#### ग) सांस्कृतिक शब्दों तथा भाषिक अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ

- सांस्कृतिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ
- मिथकीय / भाषाई अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ
- मुहावरों के अनुवाद की समस्याएँ

लोकोत्तियों के अनुवाद की समस्याएँ

### परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) : लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक।
- सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60) खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।